

बन्धन अधिनियम २१ तथा अधिनियम २१
 बन्धन अधिनियम २१ का भाग ४
 अधिनियम २१ के अन्तर्गत या अधिनियम
 अधिनियम २१ के अन्तर्गत

₹ 9100.00
 ₹ 35.00
 ₹ 2.00
 ₹ 1000.00

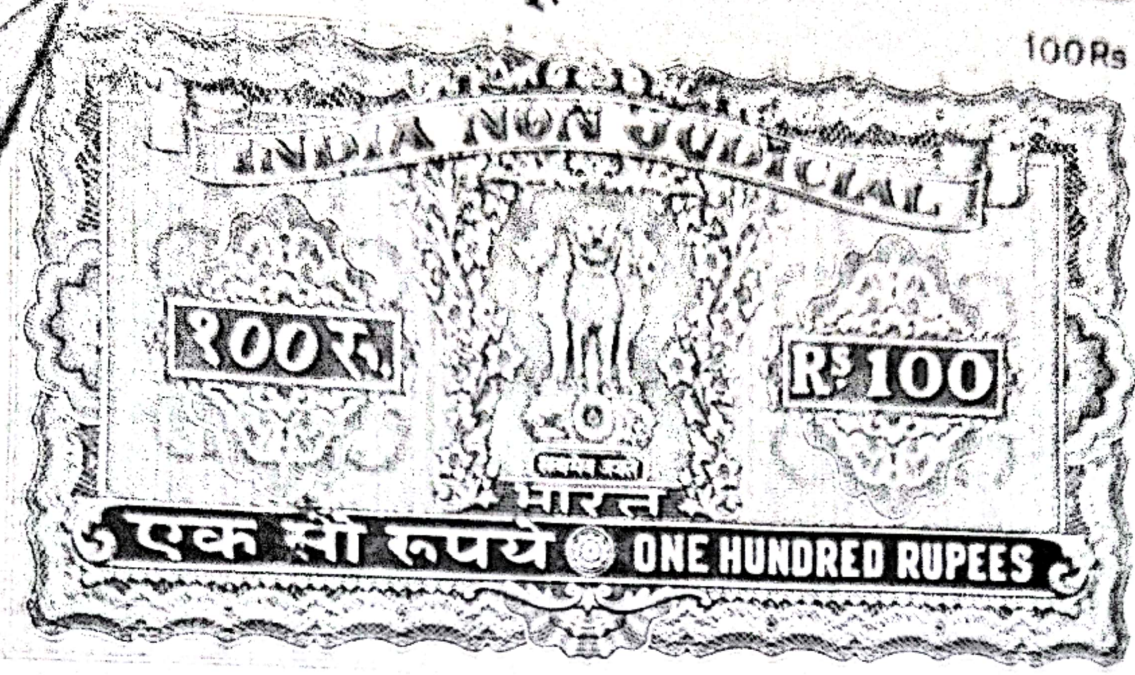
[Handwritten signature]
 तिथि: 19/11/2008

₹ 30000 तिघ हजार
 राजा के कोठारी ४ १/२ हीपतिन वामन मोज
 प्रोपर्टी का बेच। अगस्त १९०८ सम्मिलित
 ता: १-६-१९०८

लेख्यकारी:- श्री बसन्त सिंह वल्लभ स्वर्गीय श्री
 वावु सरयु प्रसाद सिंह जात
 रामपुत साकिन वैरिया थाना डाल-
 टेतगंज जिला पलामू प्रेशा कास्तकारी
 राष्ट्रीयता भारतीय:-

लेख्यकारी: 1. श्री सुनील कुमार गुप्ता } वल्लभान
 2. श्री अशोक कुमार गुप्ता } श्री राम
 3. श्री अजय प्रसाद गुप्ता } बंशी प्रसाद
 4. श्री गौरी लाल प्रसाद गुप्ता } गुप्ता कायम

[Handwritten signature]
 Daddagang
 01-6-92



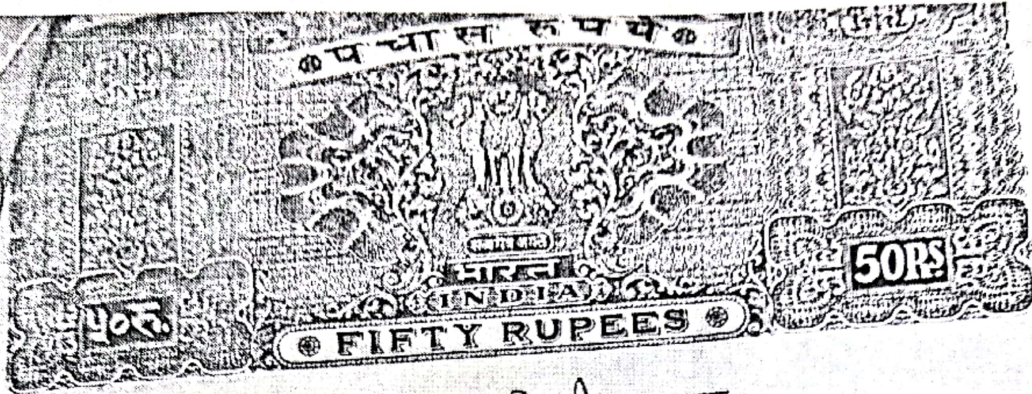
पुरा थाना नगर उदारी जिला पलामु
 पैसा गृहस्ती टाल जिला गढ़वा
 राष्ट्रीयता भारतिय

- ३- लेख्य प्रकार:- विक्रय पत्र केवाला (बेजा कलाजी)
- ४- मूल्य :- मोबलीक ३०,००० तीस हजार रुपया
- ५- सम्पत्ति :- मवाजी ०-०४ ३/४ चार पुर्णक
 स्क बट्टा चर डीसलील जमीन एसब
 तकसील मेल बोडे मोजा वेरिया
 थाना अलखेगंज प्रगने जिला पलामु
 हकियत कास्त रेयति सब रमिस्ती
 ओफिस वो मिला रमिस्ती मौकील
अलखेगंज का हकियत मौसली हक
 का अपना हिस्सा का विक्री करना
 हैं।

व सरति
 १-६-६२

कामेश्वर सिंह
 वेरीग, डिप्टी कमिश्नर पलामु
 १-६-६२

<u>थाना नं०</u>	<u>तौजी नं०</u>	<u>शेवट नं०</u>	<u>खाता नं०</u>
१६७	१६३	४	१ (एक)



<u>प्लॉट नं०</u>	<u>पुरा रकवा</u>	<u>बिब्ली रकवा</u>
२४६ (दो सौ अन्वय)	₹. ३. १-२२ $\frac{1}{2}$ मेंसे	₹. ३. ०-०४ $\frac{1}{8}$

चौहद्दी :- उत्तर :- शिव कुमार साह
 दखिन :- वाराणोटा रक प्रिया सिवाना
 पुरब :- वारह अउट का रास्ता उलके
 पश्चिम :- निज निब्रेता

बलर गिट
 १-६-६२
 वारह

वाजे रहे डी उत्तर-दखिन के ररख ६० (साठ)
 कड़ी है, वो पुरब का ररख ७० (सतर) कड़ी को
 पश्चिम का ररख ७४ (पञ्चहत्तर) कड़ी जिसका
 कुल क्षेत्रफल अभीन का सवा चार ०४ $\frac{1}{8}$ डीस-
 मील अभीन होता है।

शिव कुमार साह
 बलर गिट
 १-६-६२

मालगुजारी :- भोवलीक ७६० साठ नये पैसे
 नाम भालिक :- बिहार सरकार द्वारा अंचल पदा-
 धिकारी ठालरेन गैज पलाभू
 आज लेखकरी को भोवलीक ररभर
 के पन्द्रह वाई इन्सठ साठ ररव ररभ आर
 दस वाई सतर ररक ररभर री भोवलीक ररक
 लखील है, जिस पर लेखकरी का ररव

अपना देखल कब्जा चला आ रहा है,
 जो यह जमीन लेख्यकारी का खास हिस्सा
 का है, सो बिक्री करना चाहते हैं, इस
 समय लेख्यकारी को रूपया का मकत -
 जखरी वास्ते बनाने मकान का है, इसलिय
 हमने अपनी इच्छा से शरीर खेव मन की
 पूर्ण स्वास्थ्य में उपरोक्त सम्पति जिसका
 विवरण खाना नम्बर पाँच बसिका लमा
 में दर्ज है, सो लेख्यकारीगण श्री सुनील
 कुमार गुप्ता वगैरह के हाथ भोवलीक
 ३०,०००)- तीस हजार रूपया मुल्य में बेचा
 जिसमें से १० दस हजार रूपया वसूल पा
 गर बाकी २० बीस हजार रूपया तकाजुल -
 वदलेन के समय वसूल पायेगें।

कलम नंबर
 १२१-६६-६२

जो इस जमीन का कुल अधिकार
 उक्त लेख्यकारीगण श्री सुनील कुमार गुप्ता वगैरह
 को हस्तान्तरित कर दिया अब से इस
 जमीन पर न हमारा अधिकार रहा न छोरे
 किसी कृत्यधिकारी या स्थानापना का
 उक्त लेख्यकारी उपर वर्णित भूमि
 पर स्वयं कायम कबिज रहें उसको अपने
 तसमूह में आवे या भेसा चाहे अपने काम
 में आवे या मकान वतावे या लण वगैरचा-

गा: विक्रमा विहार
 मां: जी. डी. डायर नगर
 ५६/१२

4. श्री गौरी शंकर प्रसाद गुप्ता) गुप्ता कायम
 जात शैनिचार वैश्य साकिन विष्णु-

५६/१२
 १२-१-६६

अगले जैसा चाहें अपने वसरूप में ला सकते हैं, इससे हमको या हमारे वारिधत को कोई इजुर या शतराज है, न आईन्दा होगा वो आपता नाम से दाखील रकरीज करा के भातगुजारी भात के आल दिवा करे और रसीद लखीस किया करे।

मैं यह भी प्रतिश करता हूँ, कि उक्त अमीन पर हमारा स्वतः निवीषाद एक वो दरखल कब्जा है, और चला आ रहा है, इस पर किसी प्रकार का सरकारी प्लि या वारदेन नहीं है, यदि किसी प्रकार का होगा तो उसका कुछ देनदार जेलम-कारी होगे। इसमें मुझे किसी तरह का इजुर या शतराज है, न आईन्दा होगे।

उपरोक्त होने अपनी बच्चा से शरीर संत मन की पूर्ण स्वस्था में शेरराजी का जरसमन मो. 30,000- तीस हजार रुपया में यह विक्रय पत्र केवाला वहीका हाजा लिख दिया कि उक्त समय पर काग आले वो प्रमाण सन्त रहे।

आज तारीख १/६/१९९२ ईसवी
 भोकाम डालरेनगज पलामू

4. श्री जेरी चेंबर प्रसादगुला गुला कायम

प्रसाद सिंह
 01/6/92

गं. सलेन्यु सिंद
 वेपरा
 01/6/92

कारिब :- राधा कृष्ण प्रसाद
 अम्बेनगज पलामू
 वसिका हाजा लिखा वो प्रमाण
 पद कर केने पत्र को सुना व
 समका दिया। १/६/९२



4/5069

निवृत्तन सचिवरियस ०१ तथा सचिवरियस
 सतकारा - २०१०-११ को ४६
 १२६३ की अनुसूची १-११ १४ को २३
 के अधीन प्रयोजित स्थापना सहित ।

मार्च ४७
 निवृत्तन प्रवायिकाएँ

१.
 २०११२०-००
 ११० ३६-००
 २५०
 १११५५-४४

P.M
 17.9.98

१:- निरव्यकरा:- श्री शिवकुमार साह -
 वल्लभ श्री बनवारी साह
 कायम जाति रौनियार वैश्य
 निवास ग्राम विशनपुरा पो.
 ज्यो. कोन्हेया थाना नगर.
 डेटार. जिला राहवा को
 हाल में कामें संकना डालने
 गंज थाना डालने डाल -
 जिला पलामू पेशा गृहस्ती
 को नौकरी -
 (भारतीय) विक्रेता.

श्री शिवकुमार साह को वल्लभ २४०००/-
 श्री बनवारी साह को ३५०००/-
 श्री शिवकुमार साह और श्री बनवारी साह को
 १११५५/- का प्रमाण पत्र
 १७.९.९८



२.

१:- लेख्यधरा: - १) श्री सुनील कुमार गुप्ता
 २) श्री अशोक कुमार गुप्ता
 ३) श्री अजय प्रसाद गुप्ता
 ४) श्री गौरी शंकर प्रसाद गुप्ता
 वल्दान श्री राजवंशी प्रसाद
 गुप्ता काथम जाति रौनियार
 वैश्य निवास ग्राम विशान-
 पुरा पो ० ज्यो ० काथेया थाना
 नगर डिहारी जिला गढ़वा का
 हाल माकाम डालरनंज -
 थाना डालरनंज जिला
 पलामू पेशा गृहस्ती -
 (भारतीय) केता: -

श्री १७०० १७००
 १७-१-१९४८

२:- लेख्यप्रकार: - निविदा विक्रय-पत्र
 (केवाला थोला-कानोमी)

गंधार
 कामधरसुलाय
 डालरनंज
 पलामू
 ०१०११/१०६८

00007/98

500Rs.



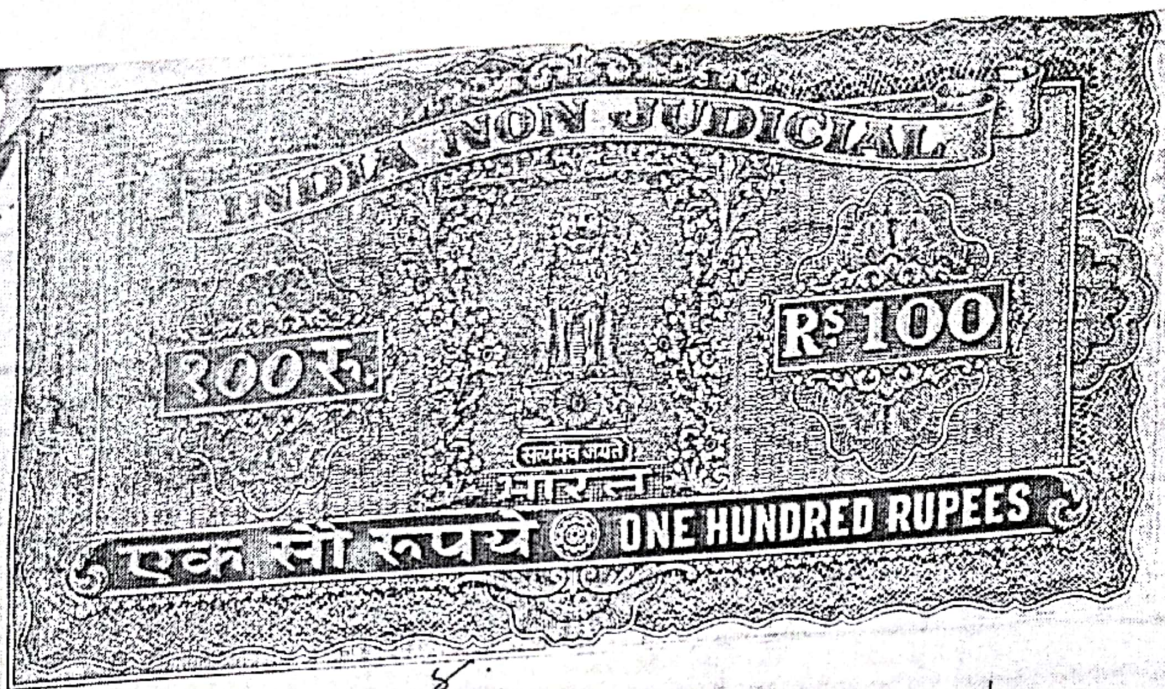
3

४:- मूल्य :- मोबलिया २८,०००) उपडाइस
 हजार रुपया

बाजार
मूल्य :- मोबलिया २८,०००) उपडाइस
 हजार रुपया

५:- सम्पत्ति :- सराजा ०-०३ $\frac{3}{4}$ डी० चोने का
 डीशमाल जमीन डेडा ॥ जो
 अखिन्धत को एकफसल है
 को उपवासिय मूमो है तथा
 जिसकी लम्बाई को चौडाई
 उत्तर से दक्षिण साठ कड़ी को
 पुरब से पच्छिम साठ कड़ी
 कड़ी है जिसका हिन्दी नाप
 बराबर एक कड्डा के हाता है
 हलब तफसाल वा तसरीह
 जैल वाक मोजा बैरिया

मोबलिया २८,०००
 १७-९-९४



शाना डाल्टनगंज जिला
 पलामु हकियत रैवात -
 रजिस्ट्री ऑफिस मोरानी
 डाल्टनगंज जिला पलामु
 का घाट होल्डिंग खरीदी
 विक्री करते हैं।

शाना डाल्टनगंज जिला पलामु

शाना न० - तोजी न० - रजिस्ट्रेशन
 १-६९ - १६३ - १.
 (विहार सरकार)

खाना न० - प्लॉट न० - रकबा - चौखदी
 १ - २४६ - ०-०३३/४ - ३०-२६५
 (दोनों निवास) प्रसाद

१ - १ - १ - १
 (जमा रकबा - ०-०३३/४)
 ५० - नीज
 - कता -
 ५० - १२ कट
 चौखदी नोड
 बाहु कुवदुनी के नो
 कोट रॉड लिह
 ५० - मेखन लिह



मालगुजारी :- मा. बलराज ७५० पैसा -
जलावे शिष

नाम मालिक :- बिहार सरकार द्वारा
अंचल पदाधिकारी - डालटेन -
गंज जिला पलामु

श्री राजा इकित्त कास्त शिषति
रषरीदगी अ जरिय रवरदगी
केवाला न०-५४८८, मुक न० १ का

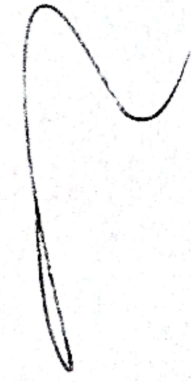
मौलुम न० ५३, तथा पेज न० ६२४
स ६२९ दिनांक १८-८-१८८४ वास्त.

१८८२ ई० ५ज है, सो एक हासिल
है, जिसपर लिखकारी कायम था

कावास्त दरिवाल योके अमे है वाहू
तथा दरिवाल रवारोज भी हो चुका है

एवं मालगुजारी रसाद भी करता
चला का रहा है।

रा. ए. - बाबु कुमार राय
17-9-98





६.
 चूंकि लेखरचकारों को इस समय
 रुपया के सारत जरूरी वाले
 बनवाने सकारण वा भी यद्य
 द्वार जरूरी बात के हैं जो किना
 किए विक्री से मावर्था रुपयाका
 इन्तजाम होना स्वात्रा जेब सजे
 मुमकिन वा दे-वा-ह काजजो
 भी किमत केता दे रहे हैं वह
 बलेहाज जमाना काफी वा रही है
 इस लिए हमने अपनी इच्छा
 के शरार वा मन की पुरा स्वस्था
 ता में यह उपर वरिणत मुमी
 जिलका सम्पूर्ण विवरण स्वानाने
 पांच इस वलका हाजा में की
 है. जिसे लाख लेखरचकारों

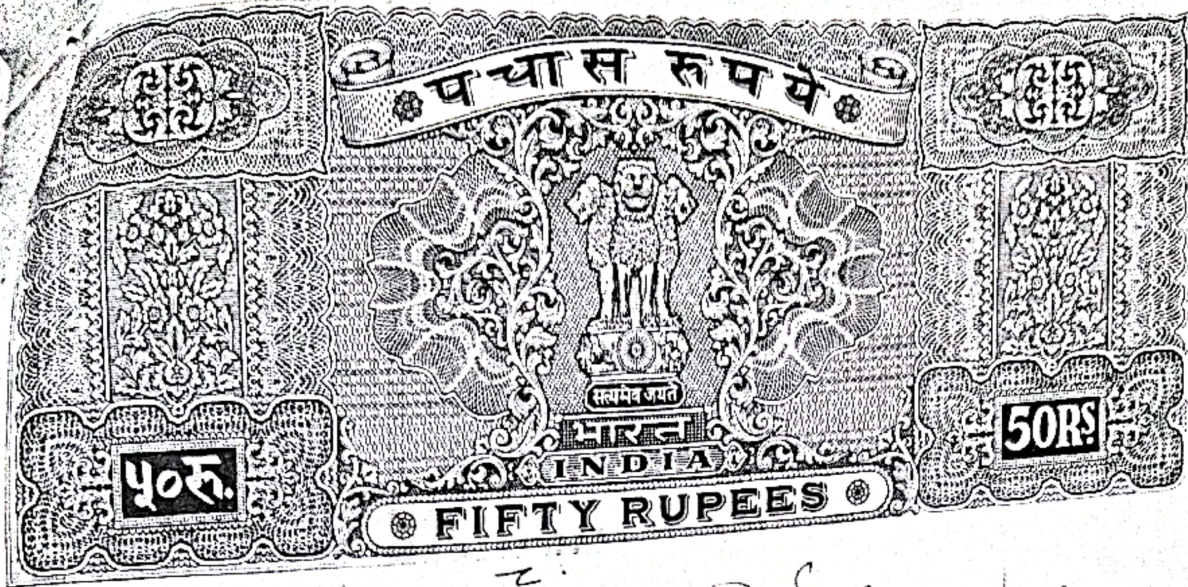
३५६
 १७-९-९८

३५६



श्री सुनील कुमार गुप्ता-वेणर के
 हाथ मोबिलाजि (₹ 2,00,000) 2761 इला-
 हजारा रूपया (मुल्य) में बेचा जा
 (जरसमन) में का मोबिलाजि (₹ 9,00,000)
 दस हजार रूपया पूर्व में पा-
 चुके हैं वा बाकी जरसमन में का
 मोबिलाजि (₹ 9,20,000) 2761 इलाह
 रूपया बाद रजिस्ट्री तथा अजुल
 व बदलेन के समय वसूल-
 पायेगे। वा इस भूमी का कुल
 अधिकार लिख्य धारा 107 का इस्ता-
 न्तरीत कर् दिया, जब ल इस
 भूमी पर हमारा कोई भी अधिकार
 न रहा कौर नही हमारे किसी
 भी कान्य (अंतराधिकारी या स्थाणापन)
 का

3102 2112 2018
 17-5-98



चाहिए कि जब उपर्युक्त -
 लेख्यधारिता (द्वय - वरिष्ठ - भूमि
 को स्वयं जगत - भांड - में (इसमें उपर्युक्त)
 के चक्षुस्सा मकान बनवाये, वाप -
 बगिया लगावाये, कुआँ - कादि का
 निर्माण में, कर्ज लेवे या जोसा
 भी चाहे सब कर का ज़ामदानी
 तथा धरियावार (इसका स्वयं भागे
 का उपना - उपना नाम से धरियावार
 खरीज करवाकर सालाना मासुजरी
 दिया में का रसीद हासिल किछ
 में। साथ ही में यह भी धरिया
 करता है कि यह भूमि हर तरह
 पाक वा सामक है, कोई भी किसका
 भार या वारदेन नहीं है।
 इस लिए हमने उपना इच्छा
 के शरीर को मज की मुक्ति हवर - काम में
 यह निवेदाद - विक्रय - पत्र केवाला लेका
 कलामी हाजा लिख दिया कि समग्र
 काम काक वा पुमारा। सनद कह
 काज तारीख ११ - ६ - १९८८ ईस्वी
 मोकाम - डालरगाज - जिला - पलामु

सही - सावधानी १७-१-१९८८
 काठिया - सराई, उलादे गुवाँ भांड
 मोकाम - डालरगाज, पलामु
 बसकि - हाजा निरवा - का
 मजमून - यह का धरिया पत्र का
 मुना - स्वयं लम मका दिया ११-६-८८
 ११-६-८८